प्रत्यय

प्रत्यय - अर्थ एवं भेद

वे शब्द अथवा वर्णों के समूह जो **प्रातिपदिक** अथवा शब्दों के अन्त में लगाए जाते हैं, प्रत्यय कहलाते हैं। ये भी शब्दों के अर्थ में परिवर्तन कर देते हैं।

जैसे:

'राम' प्रातिपदिक में 'सु' प्रत्यय लगाने से राम: रुप बनता है।

इसी प्रकार 'पठ्' धातु में क्त्वा प्रत्यय लगने से पठित्वा शब्द बनता है।

प्रत्यय पाँच प्रकार के होते हैं।

(1) विभक्ति

(2) कृत प्रत्यय

(3) तद्धित

(4) स्त्री प्रत्यय

(5) धात्ववयव

आइए अब इन प्रत्ययों के बारे में कुछ और जानें।

(1) विभक्ति

ऐसे प्रत्यय जो धातुओं के बाद में (ति, त:, अन्ति) तथा प्रातिपदिक के बाद में (सु, ओ, जस) लगते है, उन्हें विभक्ति प्रत्यय कहते हैं।

जैसे:

बालक + सु = बालक: (प्रातिपदिक से बना हुआ)

धाव + ति = धावति

(2) कृत्

धातु के पश्चात प्रयुक्त होने वाले प्रत्यय कृत् प्रत्यय कहलाते हैं।

जैसे:

पठ् + ल्युट् = पठनम्

3. **तद्धित**

संज्ञा तथा सर्वनाम शब्दों के बाद प्रयुक्त होने वाले प्रत्यय तद्धित प्रत्यय कहलाते हैं।

जैसे:

शिव + अण् = शैव:

4. स्त्री प्रत्यय

ऐसे प्रत्यय जिनका प्रयोग पुँल्लिंग शब्दों से स्त्रीलिंग शब्द बनाने में किया जाता है, स्त्री प्रत्यय कहलाते हैं।

जैसे:

मूषक: + टाप = मूषिका

5. धात्वयव

धातु तथा विभक्ति के मध्य में लगने वाले सन्, शप एवं णिच् प्रत्यय धात्वयव प्रत्यय होते हैं।

जैसे:

पठ् + णिच् + तिप = पाठयति

आइए अब कुछ व्यावहारिक प्रत्ययों पर चर्चा करते हैं।

(1) क्त्वा

'कर' या 'करके' के अर्थ में क्त्वा प्रत्यय का प्रयोग करते हैं।

अगर धातु से पहले उपसर्ग नहीं है, तो क्त्वा का प्रयोग होता है।

जैसे:

गम् + क्त्वा = गत्वा (जाकर)

नम् + त्वा = नत्वा (नमस्कार करके)

(2) ल्यप्

यह प्रत्यय भी 'कर' या 'करके' के अर्थ में प्रयुक्त होता है।

यदि धातु से पहले उपसर्ग है तो हम ल्यप् प्रत्यय का प्रयोग करते हैं।

ल्यप् का 'य' शेष रहता है।

जैसे:

उप + कृ + ल्यप् = उपकृत्य (समीप करके)

परि + त्यज + ल्यप = परित्यज्य (छोड़कर)

(3) तुमुन

तुमुन प्रत्यय का अर्थ 'के लिए' होता है। तुमुन का 'तुम' शेष रहता है।

गम् + तुमुन् = गन्तुम (जाने का लिए)

खाद + तुमुन् = खादितुम् (खाने के लिए)

आइए अब इन प्रत्ययों के प्रयोग से कुछ वाक्य बनाएं।

स: पठितुम गच्छति।

वह पढ़ने के लिए जाता है।

अहं गृहं गत्वा विद्यालयं गच्छामि।

मैं घर जाकर विद्यालय जाऊगाँ।

रावणं हत्वा राम: अयोध्यां: गतवान्।

रावण को मारकर राम अयोध्या गए।

स: खादितुम धनार्जनं करोति।

वह खाने के लिए धन कमाता है।

तत्र <u>गत्वा</u> किं करोति?

वहाँ जाकर क्या करोगे?

पार्श्र्वगृहं <u>गत्वा</u> पत्रिकां आनयतु।

पड़ोसी से जाकर पत्रिका ले आओ।

अम्ब, तान् अन्यत्र <u>पठितुं</u> वदतु।

मम्मी, उनसे कहो कि पढ़ने के लिए कहीं और जाएं।